



# पूर्व डीएमके नेता सादिक की बढ़ेंगी मुश्किलें

दिल्ली की एक अदालत ने ईडी को तिहाड़ जेल में पूछताछ करने की दी अनुमति



**टीम एक्शन इंडिया**  
नई दिल्ली: मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत ने ईडी को तिहाड़ जेल में बंद पूर्व डीएमके नेता जाफर सादिक से पूछताछ करने की अनुमति दे दी। पटियाला हाउस कोर्ट के विशेष एन-डीपीएस न्यायाधीश सुधीर कुमार सिरोही ने ईडी को 25 और 26 जून को जेल में जाफर सादिक से पूछताछ करने और पीएमएलए की धारा 50 के तहत उनका बयान दर्ज करने के लिए अपने लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य आवश्यक सामग्री ले जाए की अवधिकारियों को आरोपित के बयान दर्ज करने के लिए अपने लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य आवश्यक सामग्री ले जाए की अवधिकारियों को आवश्यक व्यापकरण करने का निर्देश दिया है। ऐसेसे ड्रग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनसे पूछताछ करना

चाहती है।

ईडी ने कोर्ट से जेल में लैपटॉप ले जाने की मांगी परमिशन: ईडी की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक एनके मद्दा ने अदालत में आरोपित से पूछताछ करने की अनुमति दी।

अनुमति को लेकर आवेदन दायर किया। ईडी ने अदालत से जेल में लैपटॉप और प्रिंटर अपने साथ ले जाने की अनुमति देने की अनुरोध किया। ईडी ने कहा कि आरोपित द्वारा दर्ज करने की अनुमति दी।

## अपने पूर्वजों के कर्मों की माफी मांगो कांग्रेस: शर्मा

**टीम एक्शन इंडिया**

नोएडा: आपातकाल के विरोध में भाजपा ने सेक्टर-116 स्थित कार्यालय पर काला दिवस मनाया। राजसभा संसद और पूर्व उप-मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी पहुंचे। वर्ती, संसद डॉ. महेश शर्मा और अन्य भाजपा कार्यकर्ता मीजूद हैं। आपातकाल पर विरोध जाते हुए, दिनेश शर्मा ने कहा कि वर्ती को अपने पूर्वजों के कर्मों की माफी मांगी चाहिए। इसी ही उन सभी के सामने नतमस्तक होना चाहिए जो उस दिन प्रतिवाद किए गए थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जहां आज लोकसभा में राहुल गांधी संविधान को हाथ में लेकर शपथ लेते दिखाए हैं। वर्ती, वह बह भूल गए कि उनकी दादी ने उसी संविधान को तहस-नहस कर दिया था। भाजपा हर वर्ष इस दिन को

### घेरा

► ऐसे लोगों को आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये का जुर्माना दिना पड़ेगा। काग्रेस जिस प्रकार से मुख्योता पहनकर घूम रही है वह जल्द ही उतरेगा।

काला दिवस के रूप में ही मनाएगी। क्योंकि इस दिन को भूल पाना सभी के लिए आसान नहीं है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में कम सीढ़ियों आने पर भी उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के शासन काल के दौरान ही ऐसे लोगों पर विकास को लेकर कई कड़े नियम बनाए हैं जो येरो लीक व चींटिंग जैसी गतिविधियां करते हैं।

उत्तर प्रदेश में ही ऐसे लोगों को आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये का जुर्माना दिना पड़ेगा। उन्होंने अंत में कहा कि कई राज्यों में हमन अच्छा प्रदर्शन किया है जहां पहले नहीं किया था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश में

पहले के मुकाबले तस्वीरें उल्लटी थीं लेकिन चुनाव परिणामों पर पार्टी की तरफ से मंथन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी निश्चित तौर पर 2022 के विधायक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी जीत दर्ज करेगी। वर्ती नीट परिक्षा को लेकर चल रहे विवाद पर भी उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के शासन काल के दौरान ही ऐसे लोगों पर विकास को लेकर कई कड़े नियम बनाए हैं जो येरो लीक व चींटिंग जैसी गतिविधियां करते हैं।

उत्तर प्रदेश में ही ऐसे लोगों को आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये का जुर्माना दिना पड़ेगा। उन्होंने अंत में कहा कि कई राज्यों में हमन अच्छा प्रदर्शन किया है जहां पहले नहीं किया था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश में

### वीजा की बोर्ड बैठक आज

ग्रेटर नोएडा। यमना प्राधिकरण की बुधवार को प्रस्तावित बोर्ड बैठक में 37 प्रस्तावों पर मुक्के लगाए की उम्मीद है। इसमें लोगों को लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिश्ता तय किया था। एक मई 2024 को लाले के पक्ष के रूप सागरी का सामान लाली-गलोज करने की विधियों के खिलाफ मुकदमा द



# 'ट्रायल कोर्ट ने अपना दिमाग नहीं लगाया...'!

केजरीवाल की जमानत पर हाईकोर्ट की टिप्पणी, हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर रोक लगाने की ईडी की याचिका पर फैसला सुनाया

**टिप्पणी**

► अवकाश न्यायाधीश ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और ईडी के कथनों की उचित सराहना नहीं की



इस अदालत ने फैसला किया है कि अवकाश न्यायाधीश ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और ईडी के कथनों की उचित सराहना नहीं की। इस दौरान कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर रोक लगाते हुए और क्षमा-न्याय पर लगाते हुए। इसके बारे में जानिए।

ईडी के कथनों की उचित सराहना नहीं की-हाईकोर्ट की टिप्पणी:

अंतिम जमानत दी गई। एक बार जब समन्वय पीठ द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमॉड को वैध घोषित कर दिया गया, तो वह नहीं कहा जा सकता कि अवेदक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कानून का उल्लंघन करके कम कर दिया गया था।

ईडी को आवेदन पर बहस करने का उचित अवसर नहीं मिला:

हाईकोर्ट: कोर्ट ने अपनी बात को लिए

## ईडी ने 1 घंटे 15 मिनट तक पेश की थी जिएह

नोट में कहा कि 19 जून को के जरीवाल की तरफ से एक घंटे और ईडी की तरफ से दो घंटे जिरह की गई। इसके बाद 20 जून को हुई सुनवाई के दौरान ईडी ने एक घंटे 15 मिनट तक अपनी जिरह पेश की। पूरे यामले में पांच घंटे 30 मिनट तक जिरह हुई और

आगे बढ़ाये हुए कहा कि वेकेश जज ने सुनाम कोर्ट के संतर्दंड कुमार औली फैसले की सही परिवेश में सराहना नहीं की है। श्री राजू द्वारा उत्तराय यथा एक महत्वपूर्ण तक यह था कि अवकाश न्यायाधीश ने ईडी को आवेदन पर बहस करने का उचित अवसर नहीं दिया। मुख्य याचिका में दिए गए कथनों और आपेक्षाएँ पर न्यायालय द्वारा उचित विचार किए जाने की

जांच एजेंसी ने अपना लिखित जवाब भी अदालत के समक्ष दाखिल किया। इसके बाद सभी सूचितों पर गौर करने के बाद अदालत ने नियमित जमानत देने का नियमित सुनाया। इसमें कहा गया कि केजरीवाल का विजय नायर व विनोद चौहान से कोई

सीधा संपर्क नहीं था। इतना ही नहीं गोवा द्रुताव में रुपेय खर्च करने का ईडी के पास कोई सुवृत नहीं है। एजेंसी ने तर्क दिया कि इसके अलावा अदालत ने ईडी को मामले पर उचित जिरह करने का अवसर नहीं दिया था।

के मुचलेक पर जमानत पर रिहा हो सकते हैं। वहीं ईडी ने कोर्ट के इस फैसले का लालाकार विचेष्ट किया। ईडी ने जिचरी अदालत के फैसले पर उत्तर थे थोड़ा: ईडी ने अपने तर्क देते हुए कहा था कि कि राऊ एवेन्यू की अवकाशकालीन न्यायाधीश न्याय विभाग की 1 गाड़ियां पहुंची और आग किन कारों से लगी थी। गरीबत है कि अपी तक आग लगने से जांच एजेंसी द्वारा अपाध विचार नहीं किया।

स्वाति मालीवाल ने आतिशी के विश्वास के लिए लिए

## स्वाति मालीवाल ने आतिशी के अनशन पर कसा तंज

**तंज कसा**

► "मैंने दो बार अनशन किया। एक बार 10 दिन और एक बार 13 दिन: स्वाति मालीवाल



पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में लेकर अविश्वकालीन अनशन पर बैठी जल मंत्री आतिशी की तबीयत तड़के बिंदु गई, जिसके बाद उन्हें एलएनजीपी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। आतिशी ने अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के नेताओं से दूरी बनाए हुए हैं, मंगलवार को एक्सप्रेस पर लिखा कि आतिशी जी,

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह जो हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। "मैंने हुए तंज कसा है। मालीवाल ने आतिशी को अपने अनशन की याद दिलाइ। मालीवाल जो इस समय अम आदमी पार्टी के बलाकारियों को फारी की सजाई हो, ऐसा कानून भी बना।" "संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है।

गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्य



















हरियाणा सरकार



“ हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर वंचित और नक्शतमंद को घर जैसी मूलभूत सुविधा वरीयता के आधार पर उपलब्ध हो सके। हमीं कहीं में हरियाणा सरकार पात्र लाभार्थियों को प्लॉट वितरण कर सहायता प्रदान कर रही हैं। ”

- नायब सिंह



“ हमारी सरकार ने गरीबों के लिए आवास की समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। तेज गति से पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। ”

- नरेन्द्र मोदी

## मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना

अब हरियाणा में होगा सबके घर का सपना पूरा

**प्रथम वरण में  
हरियाणा के  
14 शहरों में डॉ के  
माध्यम से करीब  
15,250 प्लॉट का  
आवंटन**

- जगाधरी
- रोहतक
- रेवाड़ी
- पलवल
- सिरसा
- झज्जर
- चरखी दादरी
- गोहाना
- पिंजौर
- करनाल
- महेन्द्रगढ़
- सफीदों
- फतेहाबाद
- जुलाना

- एक मरला प्लॉट मात्र एक लाख रुपये में
- मकान निर्माण हेतु 'प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी' के अंतर्गत 1.5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान
- बैंकों/वित्तीय संस्था से घर निर्माण के लिए कम ब्याज पर 6 लाख रुपये तक के गृह ऋण की सुविधा का प्रावधान

### राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि  
**श्री नायब सिंह**  
मुख्यमंत्री, हरियाणा

गरिमामयी उपरिथिति  
**श्री सुभाष सुधा**

राज्य मंत्री  
सभी के लिए आवास (स्वतंत्र प्रभार), हरियाणा

दिनांक - 26 जून, 2024 | समय - प्रातः 10 बजे  
स्थान - टैगोर ऑडिटोरियम, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

अधिक जानकारी के लिए

संपर्क करें : 0172-3520001

अथवा

वेबसाइट [www.hfa.haryana.gov.in](http://www.hfa.haryana.gov.in) पर जाएं

कार्यक्रम से  
जुड़ने के लिए  
क्षू आर कोड  
स्कैन करें



हाऊसिंग फॉर ऑल विभाग, हरियाणा